

संपादकीय

वॉट्सऐप में ताकाज्ञांकी

वॉट्सऐप कॉल के जरिए फोन जासूसी के नए खुलासे चौकाने वाले हैं। विपक्ष ने तो इसे मुद्दा बनाया ही है, सरकार ने भी युस्ती दिखाते हुए तत्काल वॉट्सऐप को नोटिस भेजकर उससे स्पष्टीकरण मांगा है। इस मामले में और भी खिड़की बाली बात यह है कि नागरिकों की जिजात पर हुए इस हमले की सूचना हमें तब भित्ती जब खुद वॉट्सऐप ने अमेरिका में इजरायली कंपनी एनएसआर ग्रुप के खिलाफ केस दर्भ कराते हुए बताया कि इस कंपनी द्वारा डिवेलप किए गए सॉफ्टवेयर के जरिए दुनिया भर में 1400 लोगों के फोन से सूचनाएं उड़ाई गई हैं।

भारत में पीड़ितों के जिजात भी नाम अब तक सामने आए हैं, करीब-करीब वे सारे ही किसी न किसी वजह से सरकार के निशाने पर रहे हैं। यही कारण है कि विपक्ष ने आलोचनाओं का मुहं सीधे सरकार की ओर मोड़ दिया है। संसदीय लोकतंत्र में यह एक हृद तक स्वाभाविक है, लेकिन इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील मसले पर सरकार की भूमिका को लेकर जल्दबाजी में कोई नतीजा निकालना ठीक नहीं होगा। अभी तो यही साफ होना बाकी है कि जब वॉट्सऐप को इस बात की जानकारी मिली कि उसकी सेवाओं को जिजात बनाकर उसके कुछ उपभोक्ताओं की जिजात पर हमला हुआ है तो उसने अपने स्तर पर उनको सतर्क, सजग करने के लिए क्या किया। अब तक उपलब्ध तथ्यों से यही लगता है कि इंडियन ग्यूर्जर इसकी प्राथमिकता में कहीं थे ही नहीं। अगर होते और उनके हितों की पिंता वॉट्सऐप को होती तो उन्हें सूचित और सावधान करने का जो काम केस दर्ज करने और खबरें सार्वजनिक होने के 24-48 घंटों में किया गया, वह तभी किया जाता जब वॉट्सऐप को ऐसा कुछ किए जाने की जानकारी हासिल हुई।

बहरहाल, सबसे ज्यादा शोर अभी भले ही जिजात के उल्लंघन को लेकर हो रहा हो, पर इस प्रकरण में कई और बड़े मुद्दे भी शामिल हैं। जिस तरह से वकीलों, प्रतकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों से जुड़े लोगों को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है, उससे यह शांतिपूर्ण प्रतिरोध के अधिकारों को बेमानी बना देने, लोकतांत्रिक चेतना को कुंद करने और राजनीतिक गतिविधियों पर अधोषित अंकुश लगाने का मामला जायादा लगता है।

जैसा कुछ रिपोर्टों में बताया गया है, पीड़ितों में अगर सरकार और सेना से जुड़े लोग भी शामिल हैं तो यह सवाल भी उठता है कि क्या इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे का कोई गंभीर पहलू भी शामिल है? सच्च है कि इस जासूसी के पीछे हाथ यह जिसका भी रहा हो, उसकी शक्ति देश के सामने आनी चाहिए। सरकार को इस मामले की विराम और पारदर्शी जांच करानी चाहिए, ताकि न केवल यह मामला सुलझे बल्कि संबंधित इजराइली कंपनी समेत हर दोषी के लिए ऐसी सजा का इंतजाम हो सके, जिसे याद करके कोई भी ऐसा करने से पहले हजार बार सोचे।

35वां आसियान शिखर सम्मेलन शुरू, 3.4 अरब लोगों के ट्रेड समझौते पर टिकीं भारतीय कारोबारियों की नज़रें

बैंकॉक । बहुपक्षीय व्यापार और संपर्क सूत्र बढ़ाने के मुद्दों पर केंद्रित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के 35 वें शिखर सम्मेलन और अन्य संबंधित शिखर सम्मेलन रविवार को शुरू हो गए। थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, एक समृद्ध और स्थिर क्षेत्र बनाने के लिए हमें इस वर्ष के अंतर क्षेत्रीय समग्र अर्थिक साझेदारी (आरसीई) की असहमतियों को

खत्म करने के लिए लगातार



काम करना रखना चाहिए ताकि वाना टैक्स नहीं भरना पड़ता है।

क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के लचीलापन को मजबूत किया जा सके।

उमीद की जा रही है कि इस समिट में भारत

RCEP पैकेट पर भारत साइन कर देगा। काग्रेस इसका जबर्दस्त विरोध कर रही है तो भारतीय उद्योग जगत ने भी चिंता जारी है। आरसीई एक ट्रेड अग्रीमेंट है जो सदस्य देशों को एक दूसरे के साथ व्यापार में यह एक दूसरे के तहत सदस्य देशों को एक समझौता होगा और यह विश्व का सबसे बड़ा फी ट्रेड पैकेट होगा।

या बहुत कम भरना पड़ता है। इस एसीएंट पर आसियान के 10 देशों के साथ साथ छह अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, दस्तखत करेंगे।

RCEP के सदस्य देशों पर

ध्यान दें तो 10 आसियान सदस्यों के अलावा इसमें भारत, चीन, जापान, साथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। यह एसीएंट दुनिया के 3.4 अरब लोगों के बीच एक समझौता होगा और यह विश्व का सबसे बड़ा फी ट्रेड पैकेट होगा।

मोदी की अपील, भारत में निवेश करें निवेशक

बैंकॉक । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निवेशकों से आसान व्यवसाय के लिए भारत में निवेश करने की अपील करते हुए रविवार को कहा कि भारत निवेश के लिए दुनिया की सबसे आकर्षक अर्थव्यवस्था है। मोदी ने रविवार को यहां आदित्य बिला समूह के सर्वान्ध जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में निवेश करने का यह सबसे अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, भारत निवेश के लिए भारत आइए। भारत आपका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य और संवित एक जुट करने के लिए सकारात्मक स्थलों का भ्रमण करने और वहां के लोगों का हार्दिक सकारात्मक स्थलों का भ्रमण करने के लिए भारत आइए। भारत आपका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य और संवित एक जुट करने के लिए 'अंतर्निहित शक्तियाँ' हैं और सदियों से संचारियों और व्यापारियों ने दूर-दूर तक दौरा किया है। प्रधानमंत्री ने निवेशकों से भारत में निवेश करने की अपील करते हुए कहा, निवेश



और आसान व्यवसाय के लिए भारत आइए। नया करने और कारोबार शुरू करने के लिए भारत आइए। कुछ सर्वश्रेष्ठ भारत आइए। उन्होंने कहा कि वाणिज्य और संवित के लिए इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य और संवित के लिए 'अंतर्निहित शक्तियाँ' हैं और सदियों से संचारियों और व्यापारियों ने दूर-दूर तक दौरा किया है।

सोना 100 रुपए, चांदी 150 रुपए हुई तेज

नई दिल्ली। दिल्ली सर्वांग प्रभावित है तो उसने अपने स्तर पर उनको सतर्क, सजग करने के लिए क्या किया। अब तक उपलब्ध तथ्यों से यही लगता है कि इंडियन ग्यूर्जर इसकी प्राथमिकता में कहीं थे ही नहीं। अगर होते और उनके हितों की पिंता वॉट्सऐप को होती तो उन्हें सूचित और सावधान करने का जो काम केस दर्ज करने और खबरें सार्वजनिक होने के 24-48 घंटों में किया गया, वह तभी किया जाता जब वॉट्सऐप को ऐसा कुछ किए जाने की जानकारी हासिल हुई।

बहरहाल, सबसे ज्यादा शोर अभी भले ही जिजात के उल्लंघन को लेकर हो रहा हो, पर इस प्रकरण में कई और बड़े मुद्दे भी शामिल हैं। जिस तरह से वकीलों, प्रतकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों से जुड़े लोगों को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है, उससे यह शांतिपूर्ण प्रतिरोध के अधिकारों को बेमानी बना देने, लोकतांत्रिक चेतना को कुंद करने और राजनीतिक गतिविधियों पर अधोषित अंकुश लगाने का मामला जायादा लगता है।

जैसा कुछ रिपोर्टों में बताया गया है, पीड़ितों में अगर सरकार और सेना से जुड़े लोग भी शामिल हैं तो यह सवाल भी उठता है कि क्या इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे का कोई गंभीर पहलू भी शामिल है? सच्च है कि इस जासूसी के पीछे हाथ यह जिसका भी रहा हो, उसकी शक्ति देश के सामने आनी चाहिए। सरकार को इस मामले की विराम और पारदर्शी जांच करानी चाहिए, ताकि न केवल यह मामला सुलझे बल्कि संबंधित इजराइली कंपनी समेत हर दोषी के लिए ऐसी सजा का इंतजाम हो सके, जिसे याद करके कोई भी ऐसा करने से पहले हजार बार सोचे।

दरअसल प्रीति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट

पर एक फोटो शेयर किया

है, जिसमें वह पुलिसकारी बड़ी भाँति देखा जा रहा है।

दरअसल प्रीति के लिए यह एक अद्यता है।

सेनी ने कहा, "मैं आपने सोना 100 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।

मैं आपने सोना 150 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।

मैं आपने सोना 100 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।

मैं आपने सोना 150 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।

मैं आपने सोना 100 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।

मैं आपने सोना 150 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।

मैं आपने सोना 100 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।

मैं आपने सोना 150 रुपए की जिजात के लिए एक अद्यता है।